केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
Kendriya Hindi Sansthan, Agra

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

(Ministry of Education, Government of India)

हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा-282002 (उ.प्र.)

Hindi Sansthan Marg, Agra-282002 (UP)

एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम
One Year Diploma Courses

पाठ्यक्रम विवरणिका
Prospectus
2026-27

क्षेत्रीय केंद्र : दिल्ली, हैदराबाद, गुवाहाटी, शिलांग, मैसूर, दीमापुर, भुवनेश्वर एवं अहमदाबाद

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

(पता ई-मेल एवं संपर्क सूत्र)

केंद्रीय हिंदी संस्थान, मुख्यालय आगरा
हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा- 282002 (उत्तर प्रदेश) भारत
फो.नं.- 9412722463 ई-मेल : registrarofficekhs1960@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र
बी- 26ए, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली- 110016
फो.नं. - 011-26537121, 26537123 ई-मेल : khsdelhi16@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र
सर्वे नं.-9, बापूजी नगर, सौजन्य कॉलोनी के निकट, बावनपल्ली, सिकंदराबाद, हैदराबाद (तैलंगाना)
फो.नं. : 040-27427208, 27428083, फैक्स : 040-27427208
ई-मेल : khshyderabad@yahoo.com, khshydcentre1976@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, मैसूर केंद्र
वायु सेना चयन समिति के समीप, मैसूर मिल्क डेयरी के पीछे, सिद्धार्थ नगर, मैसूर- 570011 (कर्नाटक)
फो.नं. : 0821-2422199, फैक्स : 0821-2422199 ई-मेल : cihmysore@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, गुवाहाटी केंद्र
असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति भवन, गुवाहाटी क्लब के पास, हिदायतपुर, गुवाहाटी- 781003 (असोम)
फो.नं. : 0361-2666374, 2666416,फैक्स : 0361-2666374
ई-मेल : rdkhsghy78@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग केंद्र
माउकसियांग (माउडियागडियांग), आइएचएमएस के पास, शिलांग- 793018 (मेघालय)
फो.नं. : 0364-227097, फैक्स :0364-2227097
ई-मेल : rdshillong1976@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, दीमापुर केंद्र
ओल्ड डी.आई.एस. ऑफिस बिल्डिंग, हाफ नागराजन, (एस.सी.ज़मीर हाउस के पास) दीमापुर- 12 (नागालैंड)
फो.नं. : 03862-233152, फैक्स :03862-233152
ई-मेल : khsdimapur2003@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, भुवनेश्वर केंद्र
गर्वनमेट बायज् हाईस्कूल यूनिट- 9, भुवनेश्वर- 751022 (उड़ीसा)
फो.नं. : 0674-3218489, फैक्स : 0674-2546305
ई-मेल : khsbbsr@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, अहमदाबाद केंद्र
आदिवासी शोध संस्थान, प्रथम तल, गुजरात विद्यापीठ,
आश्रम रोड, अहमदाबाद- 380009 (गुजरात)
मो.नं. : 9774393498 ई-मेल : khs.ahmedabad@gmail.com

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 1960 में स्थापित स्वायत्त संगठन **केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल** द्वारा संचालित अखिल भारतीय स्तर की एक स्वायत्तशासी शैक्षिक संस्था है।

संस्थान का मुख्यालय आगरा में स्थित है। इसके आठ केंद्र इन नगरों में सक्रिय हैं- दिल्ली (1970), हैदराबाद (1976), गुवाहाटी (1978), शिलांग (1987), मैसूर (1988), दीमापुर (2003), भुवनेश्वर (2003), तथा अहमदाबाद (2006)। हिंदी भारत की एकता की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। आधुनिक भारत के लिए राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ा मूल्य है, जो केंद्रीय हिंदी संस्थान के हर कार्यक्रम के मूल में विद्यमान है। इसी को ध्यान में रखकर केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल ने अपने सहमति पत्र (मेमोरेंडम) में कुछ संकल्प एवं कार्य निर्धारित किए हैं, जो इस प्रकार हैं -

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के कार्य

(i) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुपालन में अखिल भारतीय भाषा के रूप में हिंदी का विकास करते हुए ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तुत, संचालित एवं उपलब्ध कराना जो इस भाषा के विकास और प्रसार की दृष्टि से उपयोगी हों ।

(ii) विभिन्न स्तरों पर हिंदी शिक्षण की गुणवत्ता सुधारना, हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, हिंदी भाषा और साहित्य के उच्चतर अध्ययन का प्रबंध करना तथा हिंदी के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक भाषावैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करना और हिंदी भाषा एवं शिक्षण विषयक विविध अनुसंधान कार्यों का आयोजन करना ।

(iii) विद्यार्थियों को रहने के लिए छात्रावासों का निर्माण, निरीक्षण एवं नियंत्रण करना ।

(iv) अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की परीक्षा लेना तथा उपाधि प्रदान करना ।

(v) हिंदी शिक्षण के विभिन्न स्तर की उपयुक्त पाठ्य पुस्तकें संदर्भ तथा अनुसंधानपरक पुस्तकें तैयार करना।

(vi) संस्थान के उद्देश्यों के अनुपालन में आवश्यकतानुसार पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन कराना ।

(vii) संस्थान की प्रकृति एवं उद्देश्यों के अनुरूप अन्य उन संस्थाओं के साथ जुड़ना या सदस्यता ग्रहण करना या सहयोग करना या सम्मिलित होना जिनके उद्देश्य संस्थान के उद्देश्यों से मिलते-जुलते हों ।

(viii) समय-समय पर नियमानुसार अध्येतावृत्ति (फैलोशिप), छात्रवृत्ति और पुरस्कार, सम्मान पदक की स्थापना कर हिंदी से संबंधित कार्यों को प्रोत्साहित करना आदि।

संस्थान के कार्यक्षेत्र

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपर्युक्त संकल्पों, उद्देश्यों एवं कार्यों को संपन्न करने के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान ने अपनी गतिविधियों का निरंतर विस्तार किया है, जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है -

1. शिक्षणपरक कार्यक्रम

(क) विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी शिक्षण

भारत सरकार की (विदेशों में) हिंदी प्रचार-प्रसार योजना एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत चुने गये विदेशी छात्रों के लिए मुख्यालय आगरा और दिल्ली केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते है ।

(i)	हिंदी भाषा दक्षता प्रमाण पत्र	-	100 (A+B)
(ii)	हिंदी भाषा दक्षता डिप्लोमा	-	200
(iii)	हिंदी भाषा दक्षता उच्च डिप्लोमा	-	300
(iv)	हिंदी स्नातकोत्तर डिप्लोमा	-	400

संस्थान के दिल्ली केंद्र के अंतर्गत उपर्युक्त पाठ्यक्रमों (1 से 3 तक) का संचालन स्ववित्त पाठ्यक्रम योजना के अंतर्गत किया जाता है। उक्त सभी पाठ्यक्रम आईसीसीआर के माध्यम से कोलंबो तथा कैंडी (श्रीलंका) में भी संचालित किए जाते हैं ।

(ख) एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

संस्थान के मुख्यालय सहित सभी केंद्रों पर निम्नलिखित डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं -

(i) पोस्ट एम. ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा

(ii) स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा

(iii) हिंदी भाषा कौशल डिप्लोमा

(iv) अनुवाद डिप्लोमा (प्रादेशिक भाषा से हिंदी एवं हिंदी से प्रादेशिक भाषा)

(v) हिंदी पाठ संपादन एवं अशुद्धि शोधन डिप्लोमा

2. शिक्षक-प्रशिक्षण परक कार्यक्रम

(क) हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम-

हिंदीतर भाषी क्षेत्रों के हिंदी शिक्षकों और हिंदी सीखने के लिए इच्छुक विद्यार्थियों के लिए मुख्यालय के **अध्यापक शिक्षा विभाग** के अंतर्गत कक्षा-शिक्षण माध्यम से नियमित एकवर्षीय तथा द्विवर्षीय प्रशिक्षणपरक पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जो इस प्रकार हैं -

(i) **हिंदी शिक्षण निष्णात** - एम.एड. समकक्ष पाठ्यक्रम (आगरा) (द्विवर्षीय)

(ii) **हिंदी शिक्षण पारंगत** - बी.एड. समकक्ष पाठ्यक्रम (आगरा) (द्विवर्षीय)

(iii) **हिंदी शिक्षण प्रवीण** - डी.एल.एड. समकक्ष पाठ्यक्रम (आगरा) (द्विवर्षीय)

3. नवीकरण एवं संवर्धनात्मक कार्यक्रम

हिंदीतर राज्यों के अध्यापकों के लिए केंद्रों द्वारा नवीकरण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसका मार्गदर्शन शैक्षणिक समन्वयक कार्यालय करता है। नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग गुजरात, उड़ीसा, असम, मिजोरम और मणिपुर राज्य के हिंदी प्रशिक्षण महाविद्यालयों के छात्रों के लिए 12 दिवसीय भाषा संवर्धनात्मक कार्यक्रम तथा सिक्किम एवं मिजोरिम राज्य के डाइट के लिए 12 दिवसीय हिंदी भाषा संचेतना विकास कार्यक्रम चलाता है। राज्य सरकारों द्वारा प्रतिनियुक्त अध्यापक राज्यानुसार केंद्रीय हिंदी संस्थान के निम्नलिखित विवरण के अनुसार केंद्रों में नवीकरण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं -

- **दिल्ली केंद्र -** पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश (आदिवासी क्षेत्र) राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **हैदराबाद केंद्र-** आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, गोवा, महाराष्ट्र एवं केंद्र शासित प्रदेश पांडिचेरी एवं अंडमान निकोबार द्वीप समूह के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **गुवाहाटी केंद्र-** असम, अरुणाचल प्रदेश एवं सिक्किम राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **शिलांग केंद्र -** मेघालय एवं मिजोरम राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **मैसूर केंद्र -** कर्नाटक, केरल और केंद्र शासित लक्षद्वीप के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **दीमापुर केंद्र -** नागालैंड, मणिपुर राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **भुवनेश्वर केंद्र-** उड़ीसा, झारखण्ड प. बंगाल एवं छतीसगढ़ राज्य के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **अहमदाबाद केंद्र -** गुजरात, दमन दीव तथा दादर और नागर हवेली के हिंदी अध्यापकों के लिए

4. अनुसंधानपरक कार्यक्रम

केंद्रीय हिंदी संस्थान का एक प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यों को निरंतर अग्रसर करना है-

- हिंदी शिक्षण की अधुनातन प्रविधियों के विकास के लिए शोध

- हिंदी भाषा और अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक व्यतिरेकी अध्ययन
- हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान
- हिंदी भाषा के आधुनिकीकरण और भाषा-प्रौद्योगिकी के विकास के उद्देश्य से अनुसंधान
- हिंदी का समाज भाषावैज्ञानिक सर्वेक्षण और अध्ययन
- प्रयोजनपरक हिंदी से संबंधित शोध कार्य

उपर्युक्त अनुसंधानपरक कार्यों के दौरान द्वितीय भाषा एवं विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी शिक्षण सामग्री का निर्माण भी संस्थान द्वारा किया जाता है।

5. शिक्षण सामग्री निर्माण और भाषा विकास

केंद्रीय हिंदी संस्थान शिक्षण-प्रशिक्षण और अनुसंधान के अलावा हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्य-पुस्तकों, कोश और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी सामग्री का निर्माण करता है -

(i) हिंदीतर राज्यों और जनजाति क्षेत्र के विद्यालयों के लिए हिंदी शिक्षण सामग्री निर्माण

(ii) हिंदीतर राज्यों के लिए हिंदी के व्यतिरेकी व्याकरण एवं द्विभाषी अध्येता कोशों का निर्माण

(iii) विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण पाठ्यपुस्तकों का निर्माण

(iv) कंप्यूटर साधित हिंदी भाषा शिक्षण सामग्री का निर्माण

(v) दृश्य-श्रव्य माध्यमों से हिंदी शिक्षण संबंधी पाठ्य सामग्री का निर्माण

(vi) हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के द्विभाषी/त्रिभाषी शब्दकोशों का निर्माण

(क) प्रकाशन

संस्थान द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य, भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, तुलनात्मक एवं व्यतिरेकी अध्ययन, भाषा एवं साहित्य शिक्षण, कोश विज्ञान, द्विभाषी कोश आदि से संबद्ध विभिन्न विषयों पर उपयोगी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। अब तक 200 से अधिक पुस्तकें संस्थान द्वारा प्रकाशित की जा चुकी है। साथ ही विभिन्न स्तरों एवं अनेक प्रयोजनों की पाठ्यपुस्तकों तथा अध्यापक निर्देशिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है। संस्थान द्वारा निम्नलिखित पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा रहा है -

1. **गवेषणा -** अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, हिंदी शिक्षण और आलोचना की त्रैमासिक पत्रिका
2. **संवाद पथ-** जनसंचार एवं पत्रकारिता केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
3. **समन्वय पूर्वोत्तर -** पूर्वोत्तर राज्य की साहित्य एवं संस्कृति केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
4. **समन्वय दक्षिण -** दक्षिण भारत की साहित्य एवं संस्कृति केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
5. **समन्वय पश्चिम -** पश्चिम भारत की साहित्य एवं संस्कृति केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
6. **प्रवासी जगत-** प्रवासी जगत की साहित्य, साहित्यकार व संस्कृति केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
7. **शैक्षिक उन्मेष-** शिक्षा जगत में नवोन्मेष केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
8. **भावक -** हिंदी साहित्य : सृजन एवं चिंतन के विविध आयामों पर केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
9. **संस्थान समाचार -** संस्थान का मासिक बुलेटिन है।
10. **विश्वभारती -** अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभाग के विद्यार्थियों की पत्रिका
11. **समन्वय -** अध्यापक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की पत्रिका

(ख) प्रमुख परियोजनाएँ

केंद्रीय हिंदी संस्थान,आगरा के द्वारा संचालित कुछ प्रमुख परियोजनाएँ इस प्रकार हैं-

1. हिंदी विश्वकोश परियोजना -हिंदी विश्वकोश परियोजना के अंतर्गत विभिन्न विषय क्षेत्रों से संबंधित लगभग 16 खंडों में हिंदी विश्वकोश का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से तीन खंड **विज्ञान, पृथ्वी एवं भूगोल तथा गणित** प्रकाशित हो चुका है।

2. हिंदी लोक शब्दकोश परियोजना -हिंदी की लोक भाषाओं की समृद्ध परंतु संकटग्रस्त भाषायी विरासत को संजोने एवं संरक्षित करने के उद्देश्य से हिंदी लोक शब्द परियोजना चलाई जा रही है। लोक भाषाओं की संस्कृति व सामाजिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए हिंदी लोक शब्दकोश परियोजना के अंतर्गत 17 कतिपय बोलियों/उप भाषाओं/भाषाओं के लोक शब्दकोशों का प्रकाशन, डिजीटलीकरण एवं इंटरनेट पर उपलब्ध कराने की योजना है । अब तक भोजपुरी-हिंदी-अंग्रेजी, राजस्थानी-हिंदी-अंग्रेजी तथा ब्रज-हिंदी -अंग्रेजी कोश प्रकाशित किए जा चुके हैं ।

6. विस्तारपरक कार्यक्रम

(i) संस्थान के मुख्यालय सहित विभिन्न केंद्रों में संपर्क, समन्वयन और वैचारिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से **विशेष विस्तार व्याख्यान एवं कार्यशालाओं** का आयोजन करना ।

(ii) संस्थान के विभिन्न केंद्रों और मुख्यालय में हर साल अखिल भारतीय संवाद एवं व्यापक भाषाई सांस्कृतिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से प्रतिवर्ष **भाषाविज्ञान, हिंदी साहित्य, हिंदी शिक्षण, पत्रकारिता, भाषा प्रौद्योगिकी**, **मीडिया** आदि पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन करना ।

(iii) विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन, प्रादेशिक एवं विश्व के विभिन्न देशों के लोक संगीत, नृत्य एवं लघु नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन ।

(iv) संस्थान मुख्यालय आगरा एवं इसके आठ केंद्रों द्वारा वहाँ के क्षेत्रीय महाविद्यालयों के सहयोग से लघु बजटीय संगोष्ठियों का आयोजन करना ।

(v) स्थानीय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं हिंदी शिक्षण संस्थाओं का सहयोग करना।

7. पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण और हिंदी साहित्य के विभिन्न विषयों की पुस्तकों के विशेषीकृत संग्रह की दृष्टि से हिंदी के सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक है। इसमें लगभग 82,687 पुस्तकें व 2,787 सजिल्द पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं और लगभग 79 पत्रिकाएँ (शोध एवं अन्य) पुस्तकालय में हर महीने आती हैं। इसका नया संदर्भ प्रभाग अद्वितीय है। कवि/लेखकों की जन्म जयंती पर साहित्यिक परिचर्चा और सप्ताहव्यापी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। समस्त केंद्रों पर भी पुस्तकालय एवं वाचनालय की अच्छी व्यवस्था है ।

8. संस्थान से संबद्ध प्रशिक्षण महाविद्यालय

हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण के स्तर को समुन्नत करने तथा पाठ्यक्रम में एकरूपता लाने के उद्देश्य से अहिंदी भाषी राज्यों के उत्तर गुवाहाटी (असम) तथा आइजोल (मिजोरम), के राजकीय हिंदी शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालयों तथा दीमापुर (नागालैंड) के राजकीय हिंदी संस्थान को केंद्रीय हिंदी संस्थान से संबद्ध किया गया है। इन महाविद्यालयों में संस्थान के पाठ्यक्रम का उपयोग किया जाता है ।

एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का सामान्य विवरण

1. पोस्ट एम.ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा (ऑनलाइन) :

यह पाठ्यक्रम संस्थान मुख्यालय आगरा तथा क्षेत्रीय केंद्रों - दिल्ली केंद्र, हैदराबाद केंद्र, मैसूर केंद्र शिलांग केंद्र एवं अहमदाबाद केंद्र पर ऑनलाइन मोड द्वारा संचालित हो रहा है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में छात्रों को भाषाविज्ञान के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी के साथ हिंदी संरचना एवं व्याकरण के अलावा हिंदी के सामाजिक संदर्भ से जुड़े पहलुओं का विस्तृत परिचय भी कराया जाता है। पाठ्यक्रम के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के रूप में छात्र चार वैकल्पिक प्रश्न-पत्रों में से किसी एक का चयन कर भाषाविज्ञान के आनुषंगिक अनुप्रयोग क्षेत्रों के अध्ययन से लाभान्वित हो सकते हैं ।

उद्देश्य: 1. भाषाविज्ञान के सिद्धांतों तथा उनके अनुप्रयोगों की जानकारी देना।

2. हिंदी भाषा की सरंचना तथा हिंदी के सामाजिक संदर्भ से जुड़े पहलुओं से परिचित करना।

3. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोग के विशिष्ट क्षेत्रों का विशेष अध्ययन कराना ।

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

प्रश्न-पत्र 1. भाषाविज्ञान और उसका अनुप्रयोग		100 अंक
प्रश्न-पत्र 2. हिंदी संरचना		100 अंक
प्रश्न-पत्र 3. हिंदी का सामाजिक संदर्भ		100 अंक
प्रश्न पत्र 4. वैकल्पिक प्रश्न पत्र	4.(क) भाषा शिक्षण : सिद्धांत और व्यवहार	100 अंक
	या	
	4.(ख) कंप्यूटरीकृत भाषाविज्ञान	
	या	
	4.(ग) अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार	
	या	
	4.(घ) शैली विज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार	

पात्रता :

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी विषय में एम.ए. की उपाधि या उसके समकक्ष

(ख) स्नातक स्तर पर 'हिंदी' एक विषय के रूप में या स्नातक स्तर पर हिंदी माध्यम द्वारा अध्ययन

सीटों की संख्या : 50 (पचास)

2. स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा (ऑनलाइन) :

यह पाठ्यक्रम संस्थान मुख्यालय आगरा तथा क्षेत्रीय केंद्रों - दिल्ली केंद्र, हैदराबाद केंद्र एवं शिलांग केंद्र पर ऑनलाइन मोड द्वारा संचालित हो रहा है।

यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए उपयोगी है जो 'अनुवाद' के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं या अनुवाद के क्षेत्र में अपनी रुचि विकसित करते हुए अनुवाद कार्य में अपने को लगाना चाहते हैं। इसके अंतर्गत छात्र हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने की दक्षता प्राप्त कर सकते हैं ।

उद्देश्य: 1. भाषा वैज्ञानिक युक्तियों में अपेक्षित दक्षता विकसित करके अध्येताओं को अनुवाद कौशल में दक्ष बनाना।

2. अनुवाद सिद्धांत का सविस्तार परिचय देना।

3. नवीन युक्तियों की जानकारी तथा अनुवाद समीक्षा की सामर्थ्य विकसित करना।

4. स्रोत व लक्ष्य भाषा के रूप में हिंदी से अंग्रेजी व अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद क्षमता का विकास करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रश्न-पत्र 1. अनुवाद और भाषाविज्ञान	100 अंक
प्रश्न-पत्र 2. अनुवाद सिद्धांत	100 अंक
प्रश्न-पत्र 3. व्यतिरेकी भाषाविज्ञान और अनुवाद	100 अंक
प्रश्न पत्र 4. अनुवाद का व्यावहारिक संदर्भ	100 अंक
प्रश्न पत्र 5. परियोजना कार्य, सत्रीय कार्य एवं मौखिकी	100 अंक (50+25+25)

पात्रता :

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि

(ख) स्नातक स्तर पर हिंदी एवं अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्णता अनिवार्य है ।

सीटों की संख्या : 50 (पचास)

3. हिंदी भाषा कौशल डिप्लोमा (ऑनलाइन) :

यह पाठ्यक्रम संस्थान मुख्यालय आगरा तथा क्षेत्रीय केंद्रों - दिल्ली केंद्र, हैदराबाद केंद्र, मैसूर केंद्र, अहमदाबाद केंद्र, भुवनेश्वर केंद्र, गुवाहाटी केंद्र, शिलांग केंद्र व दीमापुर केंद्र से ऑनलाइन मोड द्वारा संचालित होगा।

पात्रता :

किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से इंटरमीडिएट उत्तीर्ण।

सीटों की संख्या : 50

4. अनुवाद डिप्लोमा (प्रादेशिक भाषा से हिंदी एवं हिंदी से प्रादेशिक भाषा) (ऑनलाइन) :

यह पाठ्यक्रम संस्थान के सभी आठ क्षेत्रीय केंद्रों - दिल्ली केंद्र, हैदराबाद केंद्र, मैसूर केंद्र, अहमदाबाद केंद्र, भुवनेश्वर केंद्र, गुवाहाटी केंद्र, शिलांग केंद्र व दीमापुर केंद्र से ऑनलाइन मोड द्वारा संचालित हो रहा है।

पात्रता :

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण ।

(ख) स्नातक स्तर पर हिंदी एक विषय के रूप में होना अनिवार्य है।

(ग) प्रादेशिक भाषा का ज्ञान

सीटों की संख्या : 50

5. हिंदी पाठ संपादन एवं अशुद्धि शोधन डिप्लोमा (ऑनलाइन) :

यह पाठ्यक्रम संस्थान मुख्यालय आगरा तथा आठ क्षेत्रीय केंद्रों - दिल्ली केंद्र, हैदराबाद केंद्र, मैसूर केंद्र, अहमदाबाद केंद्र, भुवनेश्वर केंद्र, गुवाहाटी केंद्र, शिलांग केंद्र व दीमापुर केंद्र से ऑनलाइन मोड द्वारा संचालित हो रहा है।

पात्रता :

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण ।

(ख) स्नातक स्तर पर हिंदी एक विषय के रूप में होना अनिवार्य है।

सीटों की संख्या : 50

नोट : एक वर्षीय स्नातकोत्तर एवं स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम मुख्यालय आगरा के सांध्यकालीन विभाग द्वारा तथा सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर ऑनलाइन माध्यम से संचालित किये जा रहे हैं।

पाठ्यक्रमों में प्रवेश का आधार :

सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पात्रता में मेरिट के आधार पर तय किये जाएँगे।

प्रवेश हेतु अनुदेश :

1. प्रवेश के समय अपने मूल प्रमाण-पत्र दिखाने होंगे ।
2. सेवारत प्रवेशार्थियों को कार्यालय का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
3. जमा किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में लौटाया नहीं जायेगा ।

उपस्थिति : परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कक्षा में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी ।

आरक्षण : भारत सरकार के नियमानुसार ।

प्रवेश परीक्षा के परीक्षण बिंदु

1. पोस्ट एम. ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

1. हिंदी संरचना/व्याकरण का सामान्य ज्ञान (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, पर्याय, विलोम, अनेकार्थी, विराम, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, वर्तनी शोधन, वाक्य संरचना एवं वाक्य शोधन, वाच्य, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि), 2. हिंदी की बोलियाँ, शैलियाँ, हिंदी भाषी राज्य, संविधान में हिंदी, 3. भारत की भाषाओं की जानकारी, 4. विराम चिह्नों का उचित प्रयोग, 5. अनुच्छेद लेखन।

2. स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

(1) हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद - (क) 100-125 शब्दों का गद्यांश (ख) 8-10 वाक्य/वाक्यांश।

(2) अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद - (क) 100-125 शब्दों का गद्यांश (ख) 8-10 वाक्य/वाक्यांशों का अनुवाद।

(3) हिंदी संरचना का सामान्य ज्ञान - उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग/वचन परिवर्तन, पर्याय, विलोम, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, वर्तनीशोधन, वाक्य संरचना एवं वाच्य आदि।

परीक्षा नियम

नियम :

(1) संस्थान की वार्षिक परीक्षाएँ प्रतिवर्ष निर्धारित तिथियों पर आगरा तथा केंद्रों पर (आवश्यकतानुसार) होंगी। इसके लिए संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित किए जाने वाले परीक्षा संबंधी नियम लागू होंगे।

(2) शिक्षणार्थियों को वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए परीक्षा आवेदन-पत्र भरकर विभाग के माध्यम से निर्धारित तिथि तक परीक्षा विभाग में जमा कराना होगा।

(3) वार्षिक परीक्षा आवेदन पत्र खोना/खराब होने की स्थिति में दूसरा आवेदन पत्र रु. 100/- जमा करने के पश्चात् ही मिलेगा।

(4) परीक्षा में वे ही छात्र शामिल हो पायेंगे जिनकी उपस्थिति कुल कार्य दिवसों की 80 प्रतिशत होगी।

(5) सभी परीक्षाओं में उत्तीर्णता की निम्नलिखित श्रेणियाँ होंगी -

प्रथम श्रेणी- 60% और अधिक

द्वितीय श्रेणी- 50% और अधिक

तृतीय श्रेणी- 40% और अधिक।

यदि कोई प्रशिक्षणार्थी पूर्ण योग में 75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करेगा तो उसके प्रमाण पत्र में "**प्रथम श्रेणी विशेष योग्यता सहित**" का उल्लेख किया जाएगा ।

(6) उत्तीर्णता के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है ।

(7) द्वितीय श्रेणी से प्रथम श्रेणी में जाने के लिए श्रेणी सुधार के लिए 01 अंक का कृपांक दिया जाएगा।

(8) यदि कोई विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन करवाना चाहता है तो उसको उसी वर्ष अंकतालिका प्राप्ति के 15 दिन के अंदर पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करना होगा। इसके लिए प्रति प्रश्न-पत्र रु. 1000/- शुल्क के रूप में जमा करने होंगे। यह सुविधा अधिकतम दो प्रश्न-पत्रों के लिए ही होगी ।

(9) पूरक परीक्षा के लिए एक प्रश्न पत्र के लिए रु. 750/- देय होगा। एक से अधिक प्रश्न पत्रों में परीक्षा देने के लिए यह परीक्षा शुल्क रू. 1500/- निर्धारित रहेगा। पूरक परीक्षा में बैठने के लिए छात्रों को **परीक्षा नियंत्रक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा** को प्रार्थना पत्र भेजकर परीक्षा आवेदन पत्र मंगाना होगा। आवेदन पत्र मँगाने और निर्धारित तिथि तक भरकर भेजने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा आवेदन पत्र मँगाने के लिए भेजे जाने वाले प्रार्थना पत्र के साथ अपना नाम, पता लिखा (23x15 से.मी.) का लिफाफा जिसपर रु. 50/- डाक टिकट लगा हो भेजना होगा ।

(10) प्रवेश एवं वार्षिक परीक्षा संबंधी अभिलेख/रिकार्ड यथा- उत्तर पुस्तिकाएँ, अतिरिक्त प्रश्न-पत्र एवं निरस्त आवेदन पत्रों के अभिलेख/रिकॉर्ड तीन वर्ष तक ही सुरक्षित रखा जाएगा, इसके बाद उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा ।

(11) वार्षिक परीक्षा के अंक पत्र व प्रमाण पत्र में त्रुटियों का निराकरण अंक पत्र जारी होने की तिथि से एक वर्ष के अंदर किया जाएगा ।

(12) यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा आवेदन पत्र भरने के बाद चिकित्सीय कारणों से परीक्षा में शामिल नहीं हो पाता और तत्काल इसकी सूचना संस्थान को देता है तो उसे अगले वर्ष नए सिरे से आवेदन पत्र भरने की अनुमति दी जाएगी। यह अनुमति एक वर्ष के लिए मान्य होगी। इसके लिए उसको चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।

(13) यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा के दौरान अस्वस्थ रहने पर लेखन हेतु लेखन सहायक (Writer) की मांग करता है, तो लेखन सहायक की शैक्षिक योग्यता छात्र की प्रवेश योग्यता से कम होनी चाहिए ।

(14) कोई छात्र परीक्षा में नकल करता पकड़ा/पाया जाता है, तो नकल निस्तारण समिति द्वारा लिया गया निर्णय मान्य होगा। न्यायिक मामले में केवल आगरा शहर ही मान्य होगा ।

(15) संस्थान द्वारा जारी अंकतालिका एवं प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि (Duplicate) के लिए क्रमशः रुपए 500/- एवं 1000/- निर्धारित किया गया है ।

आवश्यक सूचनाएँ

(1) आवेदन पत्र में दिया गया विवरण सही एवं प्रमाण पत्रों पर आधारित होना चाहिए ।

(2) आवेदन पत्र के साथ संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए निर्धारित शैक्षिक योग्यताओं के मूल प्रमाण पत्र, अस्थाई प्रमाण पत्र (Provisional copy) और अंतिम वर्ष की अंकसूची (संपूर्ण) की स्व-अभिप्रमाणित छाया प्रतियाँ अवश्य संलग्न करें। आवेदन पत्र पर फोटो न होने पर उसे निरस्त कर दिया जाएगा।

(3) आवेदन पत्र के साथ भेजे गए सभी प्रमाण पत्रों की एक सूची संलग्न करना आवश्यक है ।

(4) आवेदन पत्र जमा करने की तिथि अखबार में विज्ञापित अंतिम तिथि के अनुसार मान्य होगी ।

पोस्ट एम.ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा
स्नानकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा

शुल्क विवरण

प्रवेश शुल्क	रु.	1000.00	
नामांकन शुल्क	रु.	500.00	
शिक्षण शुल्क	रू.	8000.00	
परीक्षा शुल्क	रू.	1500.00	
पुस्तकालय परिभाव्य धन (वापसी योग्य)	रु.	2000.00	(प्रतिदेय)
पत्रिकाएँ एवं शिक्षण सामग्री आदि	रू.	1000.00	
शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ/प्रायोगिक कार्य	रू.	1000.00	
प्रमाण पत्र शुल्क	रू.	300.00	
कुल योग	रु.	15300.00	

हिंदी भाषा कौशल डिप्लोमा, अनुवाद डिप्लोमा (प्रादेशिक भाषा से हिंदी तथा हिंदी से प्रादेशिक भाषा) तथा हिंदी पाठ संपादन एवं अशुद्धि शोधन डिप्लोमा

शुल्क विवरण

प्रवेश शुल्क	रु.	500.00
नामांकन शुल्क	रु.	500.00
शिक्षण शुल्क	रु.	6000.00
परीक्षा शुल्क	रु.	1500.00
पुस्तकालय परिभाव्य धन (वापसी योग्य)	रु.	2000.00
पत्रिकाएं एवं शिक्षण सामग्री आदि	रु.	1000.00
शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ / प्रायोगिक कार्य	रु.	500.00
प्रमाण पत्र शुल्क	रु.	300.00
कुल	रु.	12300.00

.